तोड़फोड़ करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, 20 नवंबर. मिसरोद थाना पुलिस ने कैफे में तोडफोड कर दहशत फैलाने वाले नकाबपोशो का पर्दाफाश किया. पुलिस ने पांच आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार किया है, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

आरोपी जिन वाहनों से कैफे में आए थे, उन्हें भी जब्त कर लिया गया है. इसके साथ ही वारदात में उपयोग किए गए डंडे सहित हथियार भी बरामद कर लिए गए है. पुलिस ने सेज यूनीवर्सिटी के छात्रों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद का मामले में खुलासा किया है. सेज माइल्सटोन मिसरोद स्थित कैफे में करीबन दो दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने तोडफोड कर कर्मचारियो के साथ मारपीट की थी. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 18 नवंबर को सेज माइल्सटोन स्थित मैजिक स्पॉट कैफे में करीबन दो दर्जन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने तोडफोड कर कर्मचारियो के साथ मारपीट की थी. फरियादी सक्षम गोस्वामी (22) ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. फरियादी ने संदेहियों के नाम पुलिस को बताए. सक्षम ने बताया कि आरोपियों ने अपने हाथो मे डंडा और तलवार लेकर गाली गलौच करते हुए वारदात की.

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजो की खंगालते हुए आरोपियों की पहचान की . सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है . पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचनान ओम सिह गहरवार उर्फ ऋषभ (20) अभिलाष मारन (26) योगी उर्फ योगेन्द अमराते (20) देवांश सिंह (21)बासु गुप्ता (20) के रूप में की गई है .

वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले भी पकड़ाए

भोपाल, 20 नवंबर. गांधी नगर थाना क्षेत्र में बीच सड़क पर वाहनों में तोड़ फोड़ करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कार्रवाई की.

आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर पुलिस ने उनका क्षेत्र में जुलूस भी निकाला. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रोड पर एक वाहन चालक और आरोपियों का बीच विवाद हुआ था. विवाद के बाद आरोपियों ने चालक का पीछा किया था.

आरोपियों ने चालक के नहीं मिलने पर दूसरे चालक को निशाना बनाकर बीच सड़क पर आधा दर्जन गाड़ियों में तोड़ फोड़ कर दी. मामले की शिकायत होने पर 5 आरोपियों को पकड़ लिया गया है, जबकि एक अभी भी फरारा है.

पुलिस की गिरफ्तार में आए आरोपियों की पहचान अनस (22), आरिश खान (24) मोहम्मद अदनान (17) केडी उर्फ फेस (22) और वाहिद (25) के रूप में की गई है. इस वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी फराह अभी फरारा चल रहा है. पुलिस का दावा है कि ज्लद ही उसकी गिरफ्तारी की जा सकता है.

बर्फीली हवाओं से ठिठुरा मध्यप्रदेश

07 डिग्री तक पहुंच गया पारा

भोपाल, 20 नवम्बर. उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी का असर अब मध्यप्रदेश में साफ दिखने लगा है. पिछले तीन दिनों से जारी शीतलहर ने पूरे प्रदेश में ठंड का असर बढ़ा दिया है.

नवंबर के मध्य में ही पारा लगातार नीचे लुढ़क रहा है और कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया है. पिछले 24 घंटों में प्रदेश के सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण शीतलहर की तीव्रता बढ़ गई. भोपाल, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर, नरसिंहपुर और शिवपुरी जिलों में शीतलहर का प्रभाव रहा, जबकि खंडवा और खरगोन जिलों में तीव्र शीतलहर दर्ज की गई. नरसिंहपुर जिले में शीतल दिन की स्थिति रही. अधिकतम तापमान में प्रदेश के अधिकांश जिलों में खास परिवर्तन नहीं हुआ. इंदौर संभाग के जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 3.1°C तक कम रहा, जबकि भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, रीवा, जबलपुर, शहडोल और सागर संभागों में तापमान सामान्य से 1.6°C से 2.9°C तक कम दर्ज किया गया.

राजगढ़ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7 .4एष्ट दर्ज हुआ . इंदौर में 7 .6°C, भोपाल में 8 .2°C, जबलपुर में 9 .9°C, उज्जैन में 10 .7°C और ग्वालियर में 11 .4°C रिकॉर्ड किया गया . उमरिया और छतरपुर के नौगांव में 8 .4°C, रीवा में 8 .9°C, शिवपुरी में 9°C, मलाजखंड में 9 .8°C, मंडला में 10 .1°C और बैतूल-छिंदवाड़ा में 10 .2°C तापमान रहा . इस बीच मौसम वैज्ञानिकों ने दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना जताई है, जो 24 नवंबर तक अवदाब में बदल सकता है . इसके अगले 48 घंटों में इसके और तीव्र होने की उम्मीद है . हालांकि प्रदेश में अगले 24 घंटों तक शुष्क मौसम जारी रहने का अनुमान है, लेकिन ठंड में और इजाफा होने की संभावना है .

एक नजर में

उच्च शिक्षा में डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा

भोपाल . राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत डिजिटल लर्निंग को मजबूत करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। विभाग ने प्रदेश के सरकारी कॉलेजों से प्रोफेसरों का चयन कर उन्हें ई कंटेंट निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही प्रदेश के सरकारी, अनुदान प्राप्त और निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि चयनित शिक्षकों को निर्धारित तिथियों पर डिजिटल स्टूडियो में प्रैक्टिस और रिकॉर्डिंग के लिए अनिवार्य रूप से कार्य मुक्त किया जाए। स्नातक प्रथम वर्ष के विभिन्न विषयों के ई कंटेंट तैयार करने के लिए सभी संभागीय मुख्यालयों में अत्याधुनिक स्टूडियो स्थापित किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित शिक्षक अपने विषय की प्रस्तुति समय पर तैयार कर स्टूडियो पहुंचे।

पुलिस ने पकड़ा अवैध अंग्रेजी शराब का जखीरा

भोपाल . कमला नगर थाना पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब का बडा जखीरा पकड़ा . पुलिस ने एक आरोपी के साथ वाहनों को जब्त किया है . आरोपी जब्त किए गए वाहन से तस्करी करता था . पुलिस ने कुल 20 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया है . मामले में अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है . पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूचना मिली कि शबरी नगर के पास नेहरू नगर कॉलोनी में एक वाहन से अवैध अंग्रेजी शराब की खेप आई है . मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी देव कुमार साहू (25) निवासी राहुल नगर को उसके वाहन में रखी अवैध शराब के साथ पकड़ा . पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी लालू पटेल, अमित दुबे और राधे यादव की डिमांण्ड पर शराब की खेप लेकर आता है .

भोपाल दुग्ध संघ संयंत्र का हुआ निरीक्षण

समितियों के गठन को संतोषजनक बताया

भोपाल,20 नवम्बर . राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मीनेष शाह ने बुधवार को भोपाल दुग्ध संघ संयंत्र का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अप्रैल 2025 में एनडीडीबी और एमपीसीडीएफ के बीच हुए सहकार्यता अनुबंध के बाद से अब तक संघ की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की.

डॉ. शाह ने दुग्ध संकलन में वृद्धि और नई दुग्ध समितियों के गठन को संतोषजनक बताया. उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादकों को दूध मूल्य के साथ अन्य लाभ उपलब्ध कराना सहकारी ढांचे को मजबूत करेगा और किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा. निरीक्षण के दौरान डॉ. संजय गोवाणी, प्रबंध निदेशक एमपीसीडीएफ, तथा प्रीतेश जोशी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भोपाल दुग्ध संघ सहित दोनों संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे. डॉ. शाह ने विपणन गतिविधियों के तहत चलाए जा रहे दूध का दूध, पानी का पानी अभियान की विशेष सराहना की.

घंटी, थाली, लौटा, चम्मच बजाकर प्रदर्शन

संविदा कर्मचारियों ने नीति में संशोधन की मांग की

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 नवंबर. प्रदेश के सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया. राज्य शिक्षा केंद्र पुस्तक भवन के सामने एकजुट हुए कर्मचारियों ने घंटी, थाली, लौटा चम्मच बजाकर प्रदर्शन किया.

समान्य प्रशासन विभाग की ओर से विसंगति पूर्ण बनाई संविदा नीति में संशोधन किए जाने की मांग की गई. म.प्र. संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि अधिकारियों से संविदा नीति में संशोधन की मांग की जा रही है. नीति में अनेक विसंगतियां हैं, जिनके कारण संविदा कर्मचारियों के हित के लिए बनाई गई संविदा नीति से संविदा कर्मचारियों को फायदे के जगह नुकसान हो रहा है. उन्होंने कहा कि इसे दूर किया जाना चाहिए. इसके अनुसार आदेश जारी नहीं किए गए हैं, जिससे सभी को नुकसान हो रहा है। राठौर ने कहा कि संविदा कर्मचारियों को दिखाने के लिए 50 प्रतिशत का हवाला दिया जा रहा है, जबकि वो छलावा है.

जीएडी ने 22 जुलाई 2023 की नीति में नियमित भर्ती में आरक्षण के साथ एक लाइन जोड़ दी है कि विभाग में संविदा के पद अथवा निकाले गए नियमित पद दोनों में से जो कम होगा, उसका 50 प्रतिशत विभागों में संविदा के पद है ही नहीं, इसलिए जो नियमित भर्ती निकलती है . उन्होंने कहा कि चूंकि विभागों में संविदा पद नहीं होने के कारण नियमित भर्ती में जब आरक्षण की गणना होती है, तो उसकी जगह आरक्षण शून्य हो जाता है .

कुलगुरु ने सौंपा इस्तीफा

अभाविप ने किया आरजीपीवी का घेराव

भोपाल, 20 नवंबर. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलगुरू ने राजभवन को अपना इस्तीफा सौंपा दिया. इससे पूर्व अभाविप ने विवि का घेराव कर प्रदर्शन किया.

अभाविप ने कहा कि सरकार को तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय के अंदर धारा 54 लागू करनी चाहिए. विगत दिनों पूर्व आरजीपीवी को एनएएसी द्वारा गलत तथ्यों के साथ प्रस्तुत की गई. एसएसआर के आधार पर एनएएसी में ए++ ग्रेड दिया गया. मामले में एसएसआर में जो गलत तथ्य एवं जानकारियां विश्वविद्यालय द्वारा दी गई, उन सभी प्रश्नों के उत्तर लेने के लिए अभाविप के प्रदेश मंत्री केतन चतुर्वेदी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव किया गया.

चंदन के पेड़ चोरी करने वालों की तलाश जारी

भोपाल . टीटी नगर पुलिस ने काटकर चंदन का पेड़ चोरी करने वाले बदमाशों की तलाश में जुटी है. वारदात के बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी एक्शन लिया है. भोपाल के 74 बंगले में स्थित वन विभाग के परिसर से ही बदमाशों ने पेड़ काट कर चोरी कर ले गए. एक पेड़ का टुकाड़ा भी परिसर के अंदर से बरामद किया गया है. घटना को लेकर वन विभाग के डीएफओ लोकप्रिय भारती ने बताया कि मामले की जांच जारी है. विभाग के अधिकारी मामले में कार्रवाई कर रहे हैं. इसके साथ ही टीटी नगर थाना पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है. भारती ने बताया कि 17 नवंबर को रात के समय पेडों की कटाई का मामला संज्ञान में आया है. रेंज ऑफिसर की शिकायत पर थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है.

जनसंपर्क विशेषज्ञ प्रकाश साकल्ले को मिलेगा राष्ट्रीय अवार्ड-2025

भोपाल, 20 नवंबर. 47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस का आयोजन 13 से 15 दिसंबर 2025 तक देहरादून में होगा। इस नेशनल कॉन्फ्रेंस में भोपाल चैप्टर को जनसंचार एवं जन जागरुकता के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया ने अपने 2025 के अवार्ड की घोषणा कर दी है। चैप्टर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने बताया कि देहरादून में आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस की थीम ' सशक्त विकास: मूल्यों के संरक्षण के साथ - जनसंपर्क का विजन 2047 के संदर्भ में' होगी। कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग मुद्दों पर केंद्रित व्याख्यानों का भी आयोजन किया जाएगा। इस दौरान भोपाल चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी, सचिव डॉ. पंकज मिश्रा एवं कोषाध्यक्ष केके शुक्ला को सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में भोपाल चैप्टर के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रकाश साकल्ले (पूर्व अपर संचालक जनसंपर्क) को संस्था में असाधारण योगदान के लिए राष्ट्रीय अवार्ड-2025 से सम्मानित किया जाएगा।

24 मौत के बाद भी नहीं लिया सरकार ने सबक

'सिस्टमेटिक फेल्योर', पटवारी का आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल,20 नवम्बर. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल में लगातार सामने आ रहे अपराधिक लापरवाही के मामलों को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला.

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल जीवन रक्षक संस्था के बजाय अब मौत का अड्डा बनकर रह गया है. पटवारी ने याद दिलाया कि इससे पहले इसी अस्पताल में घोर लापरवाही के कारण जहरीले कफ सिरप से 24 बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन न सरकार ने और न ही स्वास्थ्य विभाग ने इससे कोई सबक लिया. उन्होंने कहा कि यह अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन चुका है. हालिया घटना का उल्लेख करते हुए पटवारी ने बताया कि एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी को दवा वार्ड में तीन माह पहले एक्सपायर हो चुकी एंटीबायोटिक फ्लूड चढ़ा दी गई. जब पति ने दवा की तारीख पूछी, तो ड्यूटी पर तैनात नर्स ने कथित रूप से जवाब दिया एक्सपायरी दवा कुछ दिन चलती है.

पटवारी के अनुसार, यह जवाब अमानवीय संवेदनहीनता का परिचायक है और पूरे तंत्र की जड़ तक फैली सड़ांध को उजागर करता है. उन्होंने कहा कि स्थानीय मीडिया की जांच से खुलासा हुआ कि कई मरीजों को एक्सपायरी स्लाइन भी चढ़ाई जा रही थी. मामला टीवी और सोशल मीडिया पर आने के बाद अस्पताल प्रशासन हड़बड़ा कर स्टोर रूम से एक्सपायरी दवाओं और स्लाइन पैकेटों को हटाने में जुट गया. इसके बावजूद कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए.

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से सीधे सवाल करते हुए पटवारी ने कहा, यह साधारण भूल नहीं बल्कि बीजेपी सरकार की नाकामी है . एक्सपायरी दवा चढ़ाना 'हत्या के प्रयास' से कम नहीं है . उन्होंने पूछा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में दवाओं की एक्सपायरी की निगरानी कौन करता है और वरिष्ठ अधिकारी अब तक चुप क्यों थे . 24 बच्चों की मौत के बाद हुई कार्रवाई की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की . पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समयबद्ध और पारदर्शी कार्रवाई नहीं की तथा दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कड़ी सजा सुनिश्चित नहीं की, तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी जनआंदोलन शुरू करेगी . उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई किसी एक अस्पताल से नहीं, बल्कि उस सोच से है जिसने स्वास्थ्य व्यवस्था को लापरवाही और भ्रष्टाचार के भरोसे छोड़ दिया है .

निर्देश जिला संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक, मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा-

निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में करें पूर्ण

भोपाल, 20 नवंबर. जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए. कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए.

विभागीय वरिष्ठ अधिकारी इन परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें और प्रत्येक 15 दिन में कार्यों की समीक्षा करें. परियोजनाओं के कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण भी किया जाए. मंत्री सिलावट मंत्रालय में भोपाल कछार की निर्माणाधीन राजगढ़ जिले की पार्वती, सुठालिया परियोजना, सीहोर जिले की कान्याखेड़ी मध्यम सिंचाई परियोजना, सीप अंबर फेस 1 एवं 2, विदिशा जिले की टेम मध्यम सिंचाई परियोजना तथा गुना जिले की ग्वालटोरिया मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे. इन परियोजनाओं पर 50 करोड़ से अधिक लागत आएगी.

कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर राजगढ़, विदिशा एवं सीहोर जिलों में लगभग 1 लाख 50 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। बैठक में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता, विनोद कुमार देवड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य से संबंधित निर्माण ऐजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।